वंदे गंगा ने राज्य में जल संरक्षण व संचयन में नये कीर्तिमान बनाये

मुख्यमंत्री भजनलाल के विशेष प्रयासों से अब तक 2.53 करोड़ लोगों ने अभियान में भाग लिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर, 22 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर संचालित 'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान ने जल संरक्षण एवं संचयन के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। अपार जन सहयोग के साथ संचालित इस अभियान से प्रदेशभर में जल स्रोतों की दिशा और दशा में अभूतपूर्व सुधार आया है।

देश के सबसे बड़े प्रदेश राजस्थान में विषम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण जल की उपलब्धता सबसे बड़ी चुनौती रही है। जल स्त्रोतों के संरक्षण और इनमें संचयन के लक्ष्य की प्राप्ति के क्रम में मुख्यमंत्री शर्मा ने वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान की पहल की। इस अभियान का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसे जन केन्द्रित रखा गया है ताकि इसका प्रभाव व्यापक हो। साथ ही, जल स्त्रोतों की पूजा-अर्चना को इस अभियान की एक प्रमुख गतिविधि बनाया ताकि आमजन में जल संस्कृति के प्रति झुकाव और जुड़ाव की अनुभूति हो।

अभियान के दौरान मुख्यमंत्री ने व्यक्तिशः प्रदेश के विभिन्न अंचलों में जाकर इसमें भागीदारी और सतत् निगरानी की। उन्होंने 9 जून को पुष्कर में ब्रह्म घाट पर तीर्थराज पुष्कर का पूजन किया और ब्यावर में जवाजा तालाब की पाल पर जलाभिषेक किया। इसके बाद 18 जून को मुख्यमंत्री ने राजसमंद में झील स्थित नौचौकी पाल पर झील आरती की। वे जालोर में सीलू घाट पर भी पहुंचे जहां उन्होंने मां नर्मदा की विधिवत पूजा-अर्चना की। वहीं, 20 जून को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जैसलमेर में प्राचीन गडीसर झील का पूजन व गंगा आरती कर अभियान का विधिवत समापन किया।

मुख्यमंत्री की प्रेरणा से यह अभियान आंदोलन में परिवर्तित हुआ। 20 जून तक के आंकड़ों के अनुसार अभियान के अन्तर्गत 3 लाख 70 हजार से अधिक कार्यक्रम आयोजित हुए हैं जिसमें 1.32 करोड़ महिलाओं सहित लगभग 2 करोड़ 53 लाख नागरिकों ने भाग लिया।

- ''वंदे गंगा'' अभियान की योजना बनाते समय मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से इसे जात केन्द्रित रखने पर ध्यान दिया, ताकि पूरे प्रदेश में इसका व्यापक प्रभाव हो। इस उद्देश्य से जल स्त्रोंतो की पूजा-अर्चना को अभियान में एक प्रमुख गतिविधि बताया गया।

अभियान के दौरान 13 हजार 600 ग्राम सभाएं, 6 हजार 800 प्रभात फेरियां, 9 हजार 800 कलश यात्राएं, 6 हजार विभिन्न प्रकार की चौपालें आयोजित की गईं।

सामूहिक प्रयासों एवं पारस्परिक समन्वय से नदी-नालों, जल स्त्रोंतो की साफ-सफाई, जल संचयन संरचनाओं का निर्माण और बावड़ियों, तालाबों, कुंओं जैसे परंपरागत जलाशयों का पुनरूद्धार व्यापक रूप से हुआ।

क्या ट्रंप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यदि चीन और तुर्की जैसे देश तेहरान के साथ व्यापार जारी रखते हैं।

प्रतिबंधों के अलावा , ईरान को असंतुलित रखने के लिए, बिना युद्ध छेड़े अमेरिका साइबर सैबोटाज और खुफिया ऑपरेशनों का और अधिक सहारा ले सकता है। खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका, सऊदी अरब और यूएई जैसे अपने सहयोगियों को संभावित ईरानी प्रतिशोध से बचाने के लिए अपनी नौसैनिक और वायु शक्ति बढ़ा सकता है। ईरान की ओर से, प्रतिक्रिया संभवतः संयमित लेकिन बहुआयामी हो सकती है। अमेरिका और उसके सहयोगियों के हितों को निशाना बनाने के लिए, सीधे हमले करने के बजाय, ईरान शायद अपने व्यापक प्रॉक्सी नेटवर्क को सक्रिय करेगा, जैसे कि लेबनान में हिजबुल्ला, इराक और सीरिया में शिया मिलिशिया, और यमन में हूथी विद्रोही। तेहरान अपने साइबर हमलों को भी तेज कर सकता है, खाड़ी, इज़रायल, या यहां तक कि अमेरिकी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर अपनी ताकत का प्रदर्शन कर सकता है। एक और सक्रिय पहल के रूप में, ईरान अपने संवर्धन स्तर को और तेज कर सकता है, जिससे पश्चिम पर दबाव बनाया जा सके और अपनी संप्रभुता का प्रदर्शन किया जा सके। इसके अलावा, रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण, होरमुज़ जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होरमुज़) एक बार फिर तनाव का केंद्र बन सकता है, जहां ईरान वाणिज्यिक जहाजों को रोक सकता है या उन्हें परेशान कर सकता है, यह दर्शाने के लिए कि वह अब भी वैश्विक तेल आपूर्ति को प्रभावित करने की क्षमता रखता है।

62 आईएएस अधिकारियों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- रवि जैन
  शासन सचिव, स्वायत्त शासन विभाग
- रविकुमार सुरपुर
  अध्यक्ष, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
- आरूषि अजेय मलिक
  अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, राजस्थान राज्य भण्डारण निगम
- टीना सोनी
  संभागीय आयुक्त, भरतपुर
- विश्राम मीणा
  संभागीय आयुक्त, बीकानेर
- नेहा गिरि
  स्टेट मिशन निदेशक, आजीविका परियोजनाएँ एवं स्वयं सहायता समूह
- ओमप्रकाश बुनकर
  विशिष्ट शासन सचिव, गृह विभाग
- कन्हैया लाल स्वामी
  आयुक्त, टी.ए.डी. उदयपुर
- शक्ति सिंह राठौड़
  संभागीय आयुक्त, अजमेर
- हरि मोहन मीणा
  कार्यकारी निदेशक, राजस्थान शहरी पेयजल सीवरेज और इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन लिमिटेड (रूड़सीको) एवं परियोजना निदेशक, राजस्थान शहरी आधारभूत विकास परियोजना (आरयूआईडीपी)
- रूक्मणि रियार
  आयुक्त, पर्यटन विभाग
- हरजी लाल अटल
  मुख्य कार्यकारी अधिकारी, स्टेट हैल्थ इंश्योरेंस एजेंसी
- नथमल डिडेल
  संयुक्त शासन सचिव, वित्त (कर) विभाग
- काना राम
  जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, सवाईमाधोपुर
- रामावतार मीणा
  निदेशक, विभागीय जांच
- कल्पना अग्रवाल
  जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट टोंक
- पुखराज सेन
  प्रबन्ध निदेशक, राजस्थान चिकित्सा सेवायें निगम लिमिटेड
- शुभम चौधरी
  संयुक्त शासन सचिव, वित्त (व्यय-II) विभाग
- भारती दीक्षित
  संयुक्त शासन सचिव, वित्त (व्यय-1) विभाग
- सुरेश कुमार ओला
  आयुक्त (विनियोजन एवं अप्रवासी भारतीय), निवेश संवर्धन ब्यूरो
- कमर उल जमान चौधरी
  जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, भरतपुर
- आशीष मोदी
  निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग एवं पदेन संयुक्त शासन सचिव एवं पंचायतीराज (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग)
- पीयुष समरिया
  जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, कोटा
- प्रियंका गोस्वामी
  जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, कोटपूतली-बहरोड़
- बालमुकुंद असावा
  संयुक्त शासन सचिव, सार्वजनिक निर्माण विभाग
- हनुमान मल ढ़ाका
  निदेशक, विभागीय जांच
- बचनेश कुमार अग्रवाल
  अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, राजस्थान हथकर्घा विकास निगम
- वासुदेव मालावत
  निदेशक, आई.सी.डी.एस. एवं पंचायती राज (आई.सी.डी.एस.) विभाग
- खुशाल यादव
  जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, हनुमानगढ़
- सौरभ स्वामी
  संयुक्त शासन सचिव, ऊर्जा विभाग
- अरूण कुमार हसीजा
  जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, राजसमंद
- कमल राम मीणा
  जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, ब्यावर
- शरद मेहरा
  महानिरीक्षक, पंजीयन एवं मुद्रांक, राजस्थान, अजमेर
- अमित यादव
  मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं पदेन संयुक्त शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग एवं पदेन ट्रॉमा आयुक्त
- रविन्द्र गोस्वामी
  संयुक्त शासन सचिव, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं मिशन निदेशक, जल जीवन मिशन
- गौरव सैनी
  आयुक्त, नगर निगम, जयपुर ग्रेटर
- श्वेता चौहान
  जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, फलौदी
- सौम्या झा
  निदेशक, चिकित्सा (आई.ई.सी.) विभाग
- महेन्द्र खड़गावत
  जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, डीडवाना-कुमाचन
- अभिषेक खन्ना
  आयुक्त, नगर निगम, उदयपुर
- रामप्रकाश
  मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद्-कम-अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, ई.जी.एस. एवं पदेन मुख्य परियोजना अधिकारी (माड़ा), अजमेर
- निधि पटेल
  आयुक्त, नगर निगम, जयपुर हैरिटेज, जयपुर एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जयपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड़
- कनिष्क कटारिया
  आयुक्त, भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर
- रिशव मंडल
  आयुक्त, कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता
- धीरज कुमार सिंह
  संयुक्त शासन सचिव, कार्मिक (क-1) विभाग
- जूईकर प्रतीक चन्द्रशेखर
  निदेशक, स्वच्छ भारत मिशन (शहरी)
- आशीष कुमार मिश्रा
  मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद्-कम-अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, ई.जी.एस. एवं पदेन मुख्य परियोजना अधिकारी (माड़ा), जोधपुर

युद्ध आरंभ करना आसान है: पर उस पर नियंत्रण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विकसित किया है। विशेषकर हालिया कश्मीर संघर्ष के बाद पाकिस्तानी हमलों से निपटने के लिए इज़रायल के विशेष ड्रोन भारत के लिए बहुत उपयोगी साबित हुए हैं।

वहीं, दूसरी ओर, भारत के ईरान के साथ पारंपरिक रूप से मैत्रीपूर्ण राजनयिक संबंध रहे हैं। भारत को तेल बेचकर ईरान ने भारत के तेल आयात बिल को काबू में रखने में भी मदद की है। इज़रायल का पाकिस्तान से कोई संबंध नहीं है, जो भारत की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा है। ईरान की परमाणु सुविधाओं पर हमला, पाकिस्तान द्वारा गैर-जिम्मेदाराना रूप से दी जाने वाली परमाणु धमकियों को लेकर भी सवाल उठाता है।

अब क्या अमेरिका पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को भी निष्क्रिय करेगा। एक ऐसा देश, जिस पर कई अन्य देशों को परमाणु तकनीक देने का संदेह हैं और जिसने स्वयं पश्चिम से चोरी-छिपे यह तकनीक प्राप्त की थी? लेकिन, इसके ठीक विपरीत, अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर को आमंत्रित किया, जिन्होंने पहलगाम घटना से पहले अत्यंत गैर-जिम्मेदार बयान दिए थे। पाकिस्तान ने अमेरिका की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की है और कथित रूप से वो क्षेत्रीय शक्तियों को लामबंद कर रहा है ताकि अमेरिका के खिलाफ कूटनीतिक पहलों को गति दी जा सके। दशकों से पाकिस्तान ने अमेरिका के लिए कोई अच्छा कार्य नहीं किया है, बल्कि उसने अमेरिका के सबसे घातक दुश्मन को अपने सुरक्षित ठिकानों में शरण दी थी।

ईरान पर अमेरिका की विनाशकारी बमबारी ने पहले ही इस्लामी देशों में सहानुभूति की लहरें पैदा कर दी हैं। सऊदी अरब, जो इस्लामी देशों में अग्रणी भूमिका निभाता है, ने भी वर्षों तक ईरान के साथ मतभेद और टकराव के बावजूद, ईरान के लिए अपनी सहानुभूति व्यक्त की है। इस हमले ने इस्लामी देशों में एकजुटता पैदा कर दी है और वे फिर से संगठित हो रहे हैं। इस दिशा में एक पहल तुर्की ने की है, जिसने इस्लामी देशों के संगठन ऑर्गनाइज़ेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओ.आई.सी.) की तत्काल बैठक बुलाने की मांग की है। इस्लामी देशों की एक साझा और संगठित स्थिति वैश्विक शक्ति-संतुलन में एक नई ताकत को जन्म दे सकती है।

इसके अलावा, ये देश अन्य वैश्विक शक्तियों के साथ भी महत्वपूर्ण रणनीतिक संबंध बनाने का प्रयास करेंगे। इस समय रूस और चीन, अमेरिका के वैश्विक वर्चस्व के खिलाफ एक वैकल्पिक समझ बनाने के लिए सबसे अधिक इच्छुक होंगे। चीन तो सबसे पहले इस अवसर का लाभ उठाकर अमेरिका को वैश्विक स्तर पर अलग-थलग करने का प्रयास करेगा। ऐसी खबरें हैं कि ईरान के विदेश मंत्री रूस के साथ अगली रणनीति पर बातचीत के लिए मॉस्को की यात्रा पर निकल चुके हैं। आखिरकार, सैन्य तकनीक और सामरिक शक्ति के मामले में रूस ही अमेरिका का दूसरा सबसे बड़ा प्रतिद्वंदी है।

वर्तमान स्थिति में ईरान के पास कोई विकल्प नहीं बचा है, उसे प्रतिक्रिया देनी ही होगी, चाहे अमेरिकी राष्ट्रपति ने इससे भी बड़े बल प्रयोग की चेतावनी ही क्यों न दी हो।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908